2.7.20[illegible] Sociology [illegible] Part 2

B.A. I Honours
Dr. M.A. John
SOC 101 064

Elements of Social Structure

सामाजिक संरचना वास्तव में विभिन्न सामाजिक तत्वों का संगठन है। इस बात की चर्चा सभी अथवा कुछ महत्वपूर्ण समाजशास्त्रियों ने अपने अपने ढंग से प्रस्तुत की है। MacIver ने विचार दिया कि परिवार, समुदाय, जाति, वर्ग तथा गाँव और समूह सामाजिक संरचना का निर्माण करते हैं। Johnson ने विभिन्न समूह, उप समूह तथा उनके बीच पाये जाने वाले सम्बन्धों को सामाजिक संरचना का आधार माना है। Radcliff Brown ने सामाजिक संरचना में सम्मिलित किन महत्वपूर्ण तत्वों की चर्चा की है हम उसी की व्याख्या करेंगे। उसने अपनी पुस्तक Structure and function in Primitive Society में सामाजिक संरचना निम्नलिखित तत्वों की चर्चा की है।

(1) व्यक्ति: Radcliff Brown ने यहाँ पर मनुष्य को एक जीववैज्ञानिक प्राणी के रूप में नहीं स्वीकार किया है बल्कि यह विचार दिया कि यह सामाजिक सम्बन्धों का संगठन है। आन्तरिक सम्बन्धों के आधार पर इसकी भूमिकाएँ बदलती रहती हैं। अर्थात समाज में व्यक्तियों के सम्बन्ध जितने अधिक जटिल और Multifarious होते हैं जिस समाज में वह रहता है उसकी संरचना उतना ही जटिल बन जाती है। अर्थात सम्बन्धों के संकुल के रूप में स्पष्ट होने वाला व्यक्ति ही सामाजिक संरचना का सबसे आधारभूत तत्व है।

Scanned with CamScanner

(2) सामाजिक आकारिकी — इसमें उन तत्वों की चर्चा की जाती है जिसके आधार पर एक सामाजिक संरचना की तुलना दूसरे सामाजिक संरचना से की जा सकती है और यही तत्व सामाजिक संरचना के बाहरी आकार का निर्माण करते हैं।

(3) सामाजिक शारीरिकी : सामाजिक संरचना में सम्मिलित ऐसे तत्व जो व्यक्तियों के पारस्परिक सम्बन्धों को व्यवस्थित रखने का कार्य करते हैं। इन्हीं तत्वों के एकत्रीकरण का सामाजिक शारीरिकी कहा जाता है। सामाजिक संरचना में इनका महत्व बहुत अधिक होता है ये विभिन्न पीढ़ियों के बीच Social continuity को बनाये रखने का कार्य करते हैं।

(4) सामाजिक अन्तर्क्रियाएँ : व्यक्ति समाज में अपनी आवश्यकता पूर्ति के लिये आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक तथा अन्य क्रियाएँ करता रहता है, जिसके कारण समाज में श्रम विभाजन की स्थापना होती है। जो सामाजिक संरचना एक प्रमुख तथ्य के रूप में स्वीकार किये जाते हैं।

(5) सामाजिक मूल्य : Radcliff Brown ने धार्मिक मूल्यों के आधार पर सामाजिक संरचना के तत्वों की चर्चा की है। उनके अनुसार धार्मिक मूल्य अनेक प्रकार के कर्मकाण्डों, संस्कारों तथा पौराणिक गाथाओं के रूप में देखने को मिलते हैं। एक समुदाय के सदस्यों की ~~सबके~~ एकता के बन्धन में

बन्धन में बान्धने में इन धार्मिक मूल्यों महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। स्वाभाविक है कि यह धार्मिक मूल्य सामाजिक सम्बन्धों की प्रकृति को प्रभावित करके सामाजिक संरचना का महत्त्वपूर्ण तत्त्व बन जाते हैं।

(6) सामाजिक संस्थाएँ: संस्थाओं का कार्य समुदाय में नियन्त्रण की व्यवस्था को बनाये रखना है। यही कारण है कि संस्थाओं को सामाजिक संरचना के एक अनिवार्य तत्त्व के रूप में देखा जाता है।

(7) सामाजिक प्रक्रियाएँ: Brown ने सामाजिक संरचना के तत्त्वों की चर्चा करते हुए यह भी विचार दिया कि सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ सामाजिक संरचना का एक महत्त्वपूर्ण तत्त्व है। उसने यह भी विचार दिया कि इस पर विद्वानों ने अधिक बल नहीं दिया है। उसने यह भी विचार दिया कि सामाजिक संरचना के कुछ तत्त्व इस प्रकार के होते हैं जो सभी समाजों की संरचना में सामान्य रूप से देखने को मिलते हैं।

Scanned with CamScanner